भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2332

उत्तर देने की तारीख 13.03.2025

जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा देना

†**2332.** डॉ. रानी श्रीकुमार:

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना और भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड) जैसी पहलों के तहत नीलगिरी जिले से शहद और हस्तशिल्प, भंडारा जिले से धान (चावल आधारित उत्पाद) और गोंदिया जिले से लाख जैसे जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान उक्त उत्पादों के विपणन और क्षमता निर्माण संबंधी पहलों के लिए आवंटित, वितरित और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ग) लिंग और आदिवासी समूह के आधार पर विभाजित उक्त जिलों के कितने जनजातीय कारीगर, शहद उत्पादक, किसान और लाख उत्पादक इन पहलों से सीधे तौर पर लाभान्वित हुए हैं;

(घ) शहद और हस्तशिल्प उत्पादन को बढ़ावा देते हुए टिकाऊ कटाई प्रथाओं और जैव विविधता संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) क्या सरकार के पास ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के माध्यम से इन उत्पादों की बाजार पहुंच का विस्तार करने की कोई योजना है और यदि हां, तो इस संबंध में क्या समय-सीमा बनाई गई है और क्या रणनीति प्रस्तावित है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (घ) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) देश भर में जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय की "प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन" (पीएमजेवीएम) योजना को क्रियान्वित कर रहा है। इस योजना के तहत, जनजातीय कारीगरों को सूचीबद्ध करना और उनसे विभिन्न जनजातीय उत्पादों की खरीद करना जनजातीय समुदायों के लिए

आजीविका के अवसर सृजित करने की एक मुख्य गतिविधि है। इसे प्राप्त करने के लिए, ट्राइफेड ट्राइब्स इंडिया आउटलेट्स, ई-कॉमर्स और प्रदर्शनियों के माध्यम से जनजातीय उत्पादों का खुदरा विपणन करता है। नीलगिरी, भंडारा और गोंदिया जिलों से ट्राइफेड के साथ सूचीबद्ध जनजातीय कारीगरों के विवरण निम्नानुसार हैं:

क्रम सं.	राज्य	ज़िला	सूचीबद्ध आपूर्तिकर्ताओं/उत्पादकों की संख्या	संबद्ध जनजातीय परिवारों की संख्या	उत्पाद
1	तमिलनाडु	नीलगिरी	7	64	हस्तशिल्प वस्तुएं जैसे कोस्टर, वॉल हैंगिंग, की चेन, बैग, पर्स, पाउच, स्टोल, शॉल, मफलर, कुशन कवर, टेबल मैट, रनर, फेस मास्क, कप, जार, प्लेट्स, फूलदान, टोपी, ऊनी शर्ट आदि।
2	महाराष्ट्र	भंडारा	7	821	अगरबत्ती, साड़ी, स्टोल, हल्दी, कुर्ता, शर्ट, टसर सिल्क उत्पाद, स्टोल, सूट, दुपट्टा आदि।
3	महाराष्ट्र	गोंदिया	6	1202	सन मास्क, मोमबत्ती स्टैंड, महुआ लड्डू, अर्जुन साल, महुआ राब, अगरबत्ती, इमली, लाख उत्पाद आदि।

इसके अलावा, पीएमजेवीएम योजना के वन धन विकास केंद्र घटक के तहत, नीलगिरी जिले में 628 सदस्यों के साथ 6 वीडीवीके, भंडारा जिले में 1,200 सदस्यों के साथ 4 वीडीवीके और गोंदिया जिले में 3,000 सदस्यों के साथ 10 वीडीवीके स्वीकृत किए गए हैं। तमिलनाडु और महाराष्ट्र के उपरोक्त जिलों में इन 20 वीडीवीके के लिए आजीविका गतिविधियों की सहायता करने हेतु कुल 241.4 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

(ङ) ट्राइफेड अपनी इन हाऊस घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय ई-कॉमर्स वेबसाइटों के माध्यम से जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा दे रहा है। ट्राइफेड ने अपने इन-हाउस ब्रांड, ट्राइब्स इंडिया को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) में एकीकृत किया है। ओएनडीसी के क्रेता ऐप के माध्यम से ये उत्पाद उपभोक्ताओं को खरीद के लिए उपलब्ध हैं। इसके अलावा, इन उत्पादों की बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए, ट्राइफेड इन उत्पादों को प्रतिष्ठित ऑनलाइन विपणन स्थानों (मार्केट प्लेसेज) पर सूचीबद्ध करने की भी योजना बना रहा है।

*****